**भारत सरकार**
**नागर विमानन मंत्रालय**
**लोक सभा**
**लिखित प्रश्न संख्या: 4051**
**गुरुवार, 19 दिसंबर, 2024/28 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर**

**उड़ानों का बंद होना**

**4051. श्री गुरमीत सिंह मीतः**

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस)-उड़ान के अंतर्गत कम मांग, अपर्याप्त सरकारी सहायता और अवसंरचना संबंधी बाधाओं के कारण लगभग 46 प्रतिशत प्रचालनात्मक उड़ानों को बंद कर दिया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने इन आघातों के कारणों की जांच करने के लिए कोई विस्तृत अध्ययन कराया है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा और निष्कर्ष क्या हैं तथा इस संबंध में क्या उपचारात्मक कार्रवाई की गई है और यदि नहीं, तो इस चूक के क्या कारण हैं;

(घ) उक्त चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जाने का प्रस्ताव है;

(ङ) सरकार का किस प्रकार यात्रियों की मांग बढ़ाने, राज्य सरकारों के साथ सहयोग को मजबूत करने और अवसंरचना संबंधी कमियों को दूर करने का प्रस्ताव है; और

(च) क्या सरकार ने चंडीगढ़ हवाई अड्डे जैसे क्षेत्रीय केन्द्रों को विकसित करने और दिल्ली जैसे अत्यधिक बोझ वाले केन्द्रों से कुछ उड़ानों का मार्ग परिवर्तित करने पर ध्यान केन्द्रित किया है जिससे बेहतर क्षेत्रीय संपर्क और अधिक संतुलित विमानन विकास हो सके और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

**नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)**

(क) सरकार ने जनसाधारण को किफ़ायती हवाई यात्रा उपलब्ध कराने हेतु देश में असेवित और अल्प सेवित हवाईअड्डों से क्षेत्रीय हवाई संपर्क को बढ़ाने के लिए अक्तूबर, 2016 को क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस)-उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) शुरू की है। आरसीएस-उड़ान योजना के तहत अब तक 87 एयरोड्रमों (जिनमें 13 हेलीपोर्ट और 2 वाटर एयरोड्रम शामिल हैं) को प्रचालित किया जा चुका है। इस योजना के शुरू होने के बाद से, विभिन्न एयरलाइनों को कुल 887 वैध आरसीएस मार्ग अवार्ड किए गए हैं। इनमें से अब तक, 615 मार्गों का प्रचालन आरंभ हो चुका है। वर्तमान में, 367 मार्ग प्रचालनरत हैं, जिनमें समान एयरलाइन और अन्य द्वारा वाणिज्यिक रूप से प्रचालित मार्ग भी शामिल हैं। मार्गों को बंद करने के कारणों में शामिल हैं, कोविड-19 महामारी के कारण उत्पन्न व्यवधान, वैश्विक विमान इंजन संबंधी समस्याओं के कारण कई विमानों का प्रचालन न होना, जिसके कारण देश में सभी एयरलाइन प्रचालकों के लिए उपलब्ध बेड़े में पर्याप्त कमी आई है, एयरलाइनों का बंद होना और कुछ मार्गों पर यात्रियों की कम मांग।

(ख) से (घ) आरसीएस-उड़ान योजना पर निम्नलिखित अध्ययन किए गए हैं:

1. इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी) की रिपोर्ट "क्षेत्रीय संपर्क योजना उड़ान - प्रगति और संभावनाएं", (2021-22)

2. डीएमईओ नीति आयोग द्वारा "क्षेत्रीय संपर्क योजना का मूल्यांकन अध्ययन" योजना के लिए मध्यावधि मूल्यांकन (2023-24)।

सरकार 'उड़ान' योजना के अंतर्गत प्रचालन बंद किए गए मार्गों को नियमित मॉनिटरिंग करती है और ऐसे मार्गों के प्रचालनीकरण के लिए विशेष उड़ान बोली प्रक्रिया दौरों का आयोजन किया जाता है।

(ङ) और (च) वर्ष 2016 में, सरकार ने राष्ट्रीय नागर विमानन नीति (एनसीएपी 2016) जारी की, जिसमें इस क्षेत्र के लिए विजन, मिशन और प्रमुख उद्देश्य निर्धारित किए गए हैं। एनसीएपी के अंतर्गत सरकार ने हवाई यात्रा को किफायती, सुविधाजनक बनाकर आम जनता तक पहुंचाने, यात्रियों के लिए संरक्षित, सुरक्षित, किफायती और संधारणीय हवाई यात्रा उपलब्ध कराने तथा भारत और विश्व के विभिन्न भागों तक कार्गो के हवाई परिवहन की सुविधा उपलब्ध कराने तथा एकीकृत पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने का प्रस्ताव किया है, जिससे नागर विमानन क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिससे चंडीगढ़ सहित देश भर में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, रोजगार में वृद्धि होगी तथा संतुलित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलेगा।

*****